

तकलीफ और घातक परी- क्षणों से मुक्ति के लिए अनोखी प्रणाली विकसित

पुणे (प्रतिनिधी) : भारत में गर्भवती स्त्रियों को तकलीफदायक परीक्षणों के बचने के लिए आधुनिक तकनीक से नयी परीक्षण प्रणाली का विकास किया गया है। एक सर्वेक्षण के अनुसार ऐसी रिपोर्ट सामने आयी है कि आधुनिक तकनीक पर आधारित कम तकलीफ वाले परीक्षणों के कारण प्रसूती विशेषज्ञों और विभिन्न आयु की गर्भवती स्त्रियों को गर्भधारण के सुरूवाती समय में अपने गर्भधारण का व्यवस्थापन अच्छी तरह से करने में सहायता मिलती है। सर गंगाराम हॉस्पिटल के डॉ. आय सी वर्मा और डॉ. रत्ना पुरी इस तकनीकी परीक्षण के प्रमुख परीक्षकों में से एक थे। बंगलौर स्थित मेडजेनोमी कंपनी इस परीक्षण अभ्यास की प्रमुख प्रायोजक थी। इस परीक्षण के द्वारा गर्भवती स्त्रियों को परीक्षण और उपाय में बारें में योग्य निष्कर्ष मिले इसलिए भारत के दस विविध संस्थाएं का इस परीक्षण में शामिल थीं। भारत में ९६% गर्भवती स्त्रियां जिस परंपरागत परीक्षण से गुजरती थी उनसे बहुत धोखे की संभावना रहती थी इस धोखे को टालने के लिए इस परीक्षण का विकास नयी तकनीक के द्वारा किया गया।